TRI

रजिस्ट्री सं० डी-222

REGISTERED No. D-222

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 26] नई दिल्ली, शनिवार, जून 27, 1970 (आषाढ़ 6, 1892)
No. 26] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 27, 1970 (ASADHA 6, 1892)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

नोटिस
(NOTICE)

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 19 मई 1970 तक प्रकाशित किये गये हैं :—
The undermentioned *Gazettes of India Extraordinary* was/were published up to 19th May 1970 :—

अंक (Issue No.)	संख्या और तिथि (No. and Date)	द्वारा जारी किया गया (Issued by)	विषय (Subject)
77.	No. 3 (52)/68-CH. III, dated 30th April, 1970	Ministry of Petroleum and Chemicals and Mines and Metals.	Examining the cost structure of 18 essential drugs and making recommendations about their prices and some other related matters.
78.	No. 66-ITC (PN) 70, dt. 4th May, 1970	Min. of Foreign Trade	Import Trade Control Hand Book of Rules & Procedure, 1970.
79.	No. 67-ITC (PN)/70, dt. 5th May, 1970	—Do—	Import policy for the Registered exporters for the year April, 1970—March, 1971 (Amendment No. 4)
80.	No. 48/1/CI/70, dated 5th May, 1970	Lok Sabha	Direction by the Speaker under the Rules of Procedure of Lok Sabha.
	सं० 48/1/सी० I/70, दिनांक 5 मई, 1970	लोक सभा	लोक-सभा के प्रक्रिया नियमों के अधीन अध्यक्ष द्वारा दिए गए निर्देश।
81.	No. 68-ITC (PN)/70, dt. 6th May, 1970	Min. of Foreign Trade	Conditions for licensing private/public sector imports under the Dutch Credit (General Purpose) effective from 1st April, 70.
82.	No. 69-ITC (PN)/70, dt. 6th May, 1970.	—Do—	Import policy for Registered exporters for year April, 1970—March, 1971 (Amendment No. 5)
83	No. 70-ITC/70, dated 6th May, 1970.	—Do—	Import Trade Control Hand Book of Rules and Procedure, 1970.
84	No. 71-ITC (PN)/70, dated 8th May, 1970	—Do—	Issue of Import licences for raw materials to the D.G.T.D. Units engaged in the cable and wire industry during April, 1970-March, 1971 (period).
85.	No. 72-ITC (PN)/70, dated 13th May, 1970	—Do—	Import policy for Registered exporters for the period April, 1970—March, 1971 (Amendment No. 6 & 7
86.	No. 73-ITC (PN)/70, dated 13th May, 1970	—Do—	(Amendment No. 7)
87.	No. CIX-2 (41)/69-II dated 19th May, 1970	Min. of Petroleum & Chemicals and Mines and Metals.	Constituting a committee to study the operation of Coal Washeries in a comprehensive manner.
	सं० कोल 9-2 (41)/69 को-2 दिनांक 19 मई, 1970।	पैट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु मंत्रालय।	कोयला धोने के कारखानों के परिचालन का व्यापक रूप से अध्ययन करने के लिए एक समिति का गठन करना।
88.	No. 74-ITC (PN)/70, dated 19th May, 1970	Min. of Foreign Trade	Licensing conditions relating to import of commodities under the Canadian Non-project Loan, 1970 of C. $. 17·0 Million.

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी। मांग-पत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तिथि से दस दिन के भीतर पहुँच जाने चाहिएं।

Copies of the *Gazettes Extraordinary* mentioned above will be supplied on indent to the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these Gazettes.

विषय-सूची (CONTENTS)

	पृष्ठ
भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	551
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	735
भाग I—खंड 3—रक्षा मन्त्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	—
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	771
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम . . .	—
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों सम्बन्धी प्रवर समितियों की रिपोर्ट . .	—
भाग II—खंड 3—उप-खंड (1)—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं) .	2281
भाग II—खंड 3—उप-खंड (2)—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं .	2839
भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विविध नियम और आदेश .	—
भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संलग्न तथा अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं . . .	705
भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस .	247
भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	—
भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं . . .	429
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस .	107
पूरक संख्या 26—	
20 जून 1970 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी सम्बन्धी साप्ताहिक रिपोर्ट .	1063
30 मई 1970 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म तथा बड़ी बीमारियों से हुई मृत्यु से सम्बन्धित आंकड़े	1075

PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	551
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	735
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	—
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	771
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc., of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	2281
PART II—SECTION 3.—SUB.-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	2839
PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence	
PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	705
PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta.	247
PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	
PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	429
PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	107
SUPPLEMENT No. 26	
Weekly Epidemiological Reports for week ending 20th June 1970	1063
Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week ending 30th May 1970	1075

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notification relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1970

सं० 30-प्रेज०/70—**शुद्धिपत्र**—दिनांक 31 जनवरी, 1970 के भारतीय राजपत्र के भाग 1, अनुभाग 1 में प्रकाशित इस सचिवालय की अधिसूचना सं० 5-प्रेज०/70, दिनांक 26 जनवरी, 1970 में शुद्धि करने हेतु :

पृष्ठ 132 पर

बास्ते	"श्री कृष्णा गुण्डप्पा थोंगे, उप-पुलिस निरीक्षक, भ्रष्टाचार निरोध तथा नशाबन्दी इंटेलीजेंस ब्यूरो, महाराष्ट्र।"
पढ़ें	"श्री कालिदास गुण्डप्पा थोंगे, उप-पुलिस निरीक्षक, भ्रष्टाचार निरोध तथा नशाबन्दी इंटेलीजेन्स, महाराष्ट्र।"

दिनांक 19 जून 1970

सं० 31-प्रेज/70—राष्ट्रपति मणिपुर राइफल्स के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री भीम बहादुर रावत,
सूबेदार सं० 576,
2री बटालियन, मणिपुर राइफल्स,
इम्फाल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

15 सितम्बर, 1969 को श्री भीम बहादुर रावत मणिपुर राइफल्स के एक एन० सी० ओ० तथा दो जवानों के साथ एक गाडी मे यात्रा कर रहे थे जिस पर उखरुल से 7 मील की दूरी पर विद्रोहियों ने घात लगाई। श्री रावत गाड़ी में आगे की सीट पर बैठे थे। विद्रोहियो की गोलीबारी की परवाह किये बिना वे गाड़ी से नीचे कूदे और अपने जवानों को सड़क की बाईं ओर की ढलान पर स्थिति सम्भालने का आदेश दिया। विद्रोहियो और पुलिस के बीच भारी गोलाबारी हुई जिसके दौरान एन० सी० ओ० घायल हो गया। श्री रावत अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किये बिना आड़ से बाहर आये और खुले मैदान के बीच से, विद्रोहहियों की गोलाबारी के सम्मुख होते हुए 30 गज तक गये और घायल व्यक्ति को एक सुरक्षित स्थान पर ले गये।

इस मुठभेड़ मे श्री भीम बहादुर रावत ने महान साहस एव पहलशक्ति का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 15 सितम्बर, 1969 से दिया जायेगा।

सं० 32-प्रेज/70—राष्ट्रपति मणिपुर राइफल्स के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री ऐरावत सिंह,
जमादार,
प्रथम बटालियन, मणिपुर राइफल्स,
इम्फाल, मणिपुर।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

21 मई, 1969 को जमादार ऐरावत सिंह को, जिन्हें मणिपुर के सदर पहाड़ी मंडल की एक बाह्य चौकी का प्लाटून कमांडर नियुक्त किया गया था, सूचना मिली की लगभग 100 सशस्त्र विद्रोहियों का एक गिरोह चौकी से लगभग 7 मील दूर डेरा डाले, बाह्य चौकी पर आक्रमण की योजना बना रहा था। श्री ऐरावत सिंह 13 आदमियों के साथ उनके छुपने के स्थान की ओर गये। घने जंगलो के बीच होते हुए वे एक ऐसे स्थान पर पहुंचे जहां से गाने की मध्यम आवाज सुनाई दे रही थी। अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किये बिना श्री ऐरावत अकेले ही विद्रोही शिविर मे गये और उस ओर गोली चला दी जहां से आवाज आ रही थी। अकस्मात हमले से घबराकर विद्रोही जल्दी से जंगल में भाग गये। ऐसा करते समय पुलिस दल ने उन पर गोलियां चलाईं। कुछ विद्रोहियों ने जवाबी गोलिया चलाईं। श्री ऐरावत सिंह यद्यपि दोनों ओर की गोलाबारी के बीच फंस गये फिर भी वे अविचलित रहे। विद्रोही

पुलिस की गोलाबारी के दबाव को सहन नही कर सके तथा भारी मात्रा मे शस्त्र एवं गोलाबारूद छोड़ कर भाग गये ।

इस कार्यवाही मे जमादार ऐरावत सिंह ने नेतृत्व एवं उच्च कोटि के साहस का परिचय दिया ।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 21 मई, 1969 से दिया जायेगा।

सं० 33-प्रेज/70—राष्ट्रपति ग्रेटर बम्बई पुलिस दल के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते है:—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री परबत रतनराव भोसले,
हैड कांस्टेबल स० 4936/बी०,
ग्रेटर बम्बई पुलिस दल,
महाराष्ट्र ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया ।

20 नवम्बर, 1969 के प्रात: 2-40 बजे, दो आदमियो ने, जो रिवालवरो से लैस थे बम्बई मे जेकरिया मस्जिद के समीप छः गोलियां चला कर, एक आदमी को मार डाला तथा दो अन्य को घायल कर दिया। इसके बाद उन्होने भागने का प्रयत्न किया। श्री भोसले ने उनमें से एक आदमी को अपनी चौकी की ओर भागते देखा। यद्यपि उस आदमी के हाथ में भरा हुआ रिवालवर था तथा वह श्री भोसले से अधिक शक्तिशाली था तो भी अपने जीवन के लिए महान खतरे की परवाह किये बिना वे उस से भिड गये। उस व्यक्ति ने अपने को मुक्त करने का भरसक प्रयत्न किया परन्तु श्री भोसले ने तब तक उसे कस कर पकड़े रखा जब तक कि तीन अन्य पुलिस वाले उनकी सहायतार्थ न पहुच गये।

श्री परबत रतनराव भोंसले ने असाधारण साहस एव कर्त्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 20 नवम्बर, 1969 से दिया जायेगा ।

सं० 34-प्रेज/70—राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियो को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारिओं के नाम तथा पद

श्री मगन दास मौर्य,
पुलिस उप-अधीक्षक,
आगरा, उत्तर प्रदेश ।

श्री जगदीश लाल चावला,
पुलिस उप-निरीक्षक,
आगरा जिला, उत्तर प्रदेश।

श्री करौती सिंह,
कांस्टेबल सं० 1079,
आगरा जिला, उत्तर प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

14 जून, 1968 की संध्या को कुख्यात डाकू जंगा फूला के गिरोह ने जिला मैनपुरी के मखनपुर गांव में छापा मारा और छः व्यक्तियों का अपहरण कर लिया। 15 जून, 1968 के प्रात: इस बारे में सूचना मिलने पर एक पुलिस दल गांव ककरीली को भेजा गया जहां डाकुओ के छिपे होने की खबर थी। पुलिस दल को दो भागो मे विभक्त किया गया। एक दल का नेतृत्व श्री मौर्य ने किया और दूसरे का एक अन्य उप-अधीक्षक ने। जब श्री मौर्य के नेतृत्व वाला दल डाकुओ के छुपने के स्थान पर पहुचा तो गिरोह के एक संतरी ने पुलिस दल को देख लिया और उस पर गोली चलानी शुरू कर दी तथा गोलियों की आड मे बच निकलने का प्रयास किया। अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किये बिना श्री मौर्य ने श्री चावला के साथ डाकुओं का कंदराओं तक पीछा किया और उनमें से तीनो को मार डाला। उन्होने तीन अपहृत व्यक्तियों को भी छुड़ाया।

इसी बीच पुलिस दल का भी डाकुओं से सामना हो गया। डाकुओ ने इस पर बच निकलने का प्रयत्न किया किन्तु श्री करौती सिंह ने इसे भांप लिया और अकेले ही डाकुओ का पीछा किया। उन्होंने उनमे से एक को घायल कर दिया तथा दूसरे की राइफल छीन ली। उन्होने शेष तीन अपहृत व्यक्तियो को भी छोड़ दिया ।

इस मुठभेड मे सर्वश्री मगन दास मौर्य, जगदीश लाल चावला एवं करौती सिंह ने उदाहरणीय साहस एव कर्त्तव्य परायणता का परिचय दिया।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिये जा रहे है तथा फलस्वरूप श्री जगदीश लाल चावला एवं श्री करौती सिंह को नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 15 जून, 1968 से दिया जायेगा।

व० जे० मोर राष्ट्रपति के उप-सचिव

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय
(कृषि विभाग)
(भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्)

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1970

सं० 30 (2)/70-कौंड (1)/आई० सी० ए० आर०—भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् की नियमावली के नियम 34 (V) के उपबन्धो के अन्तर्गत सोसाइटी के प्रधान (खाद्य तथा कृषि मन्त्री) ने सोसाइटी में लोक सभा का प्रतिनिधित्व करने वाले निम्नलिखित सदस्यों को सोसाइटी की शासी निकाय के सदस्य होने के लिए 13 जून, 1970 से तीन वर्ष की अवधि अथवा उस समय तक जब तक कि वे सोसाइटी के सदस्य बने रहें, इसमे से जो भी अवधि पहले समाप्त हो, के लिए चुना है —

1. श्री के लकप्पा, सदस्य, लोक सभा,
सोमेश्वरा एक्सटेंशन, टुमकुर (मैसूर राज्य)
2. श्री अवधेश चन्द्र सिंह, सदस्य, लोक सभा,
धीरपुर, फर्रुखाबाद (उत्तर प्रदेश) ।

एम० आर० कोल्हटकर, उप-सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 15th June 1970

No. 30-Pres./70.—Corrigendum.—In this Secretariat notification No. 5-Pres./70, dated the 26th January, 1970, published in Part I, Section 1 of the Gazette of India dated the 31st January, 1970.

On page 141

for "Shri Krishna Gundappa Thonge,
Sub-Inspector of Police,
Anti-Corruption & Prohibition Intelligence Bureau, Maharashtra."

read "Shri Kalidas Gundappa Thonge,
Sub-Inspector of Police,
Anti-Corruption & Prohibition Intelligence Bureau, Maharashtra."

The 19th June 1970

No. 31-Pres./70.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Manipur Rifles :—

Name of the officer and rank

Shri Bhim Bahadur Rawat,
Subedar No. 576,
2nd Battalion, Manipur Rifles,
Imphal.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 15th September, 1969, Shri Bhim Bahadur Rawat with an N.C.O. and two other ranks of the Manipur Rifles was travelling in a vehicle when it was ambushed by hostiles about seven miles from Ukhrul. Shri Rawat was sitting in the front seat of the vehicle. Without regard for the hostile fire he jumped out of the vehicle and ordered his men to take position on the slope on the left of the road. There was a heavy exchange of fire between the hostiles and the police in the course of which the N.C.O. was wounded. Shri Rawat in utter disregard of his personal safety came out from behind cover and crossed some 30 yards of open ground fully exposed to the hostile fire and carried the wounded man to a place of safety.

In this encounter, Shri Bhim Bahadur Rawat displayed great courage and initiative.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 15th September, 1969.

No. 32-Pres./70.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Manipur Rifles :—

Name of the officer and rank

Shri Irabot Singh,
Jemadar,
1st Battalion, Manipur Rifles,
Imphal, Manipur.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 21st May, 1969, Jemadar Irabot Singh who was posted as a Platoon Commander of an Outpost in Sadar Hills Circle of Manipur received information that a gang of about 100 armed hostiles camping at a distance of about 7 miles from the outpost was planning to launch an attack on the outpost. Shri Irabot Singh along with 13 men proceeded to the spot where the hostiles were hiding. After walking through jungles, they reached a place from where they could hear soft sound of singing. Shri Irabot Singh in disregard of his personal safety went all alone into the hostiles' camp and fired in the direction from where the sounds were coming. Taken by surprise the hostiles hurriedly dispersed into the jungle. While doing so they were fired upon by the police party. Some of the hostiles returned the fire. Shri Irabot Singh though caught in the cross fire from both sides remained undeterred. The hostiles could not sustain the pressure of the Police fire and ran away leaving behind a large quantity of arms and ammunition.

In this action Jemadar Irabot Singh displayed leadership and courage of a high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 21st May, 1969.

No. 33-Pres./70.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Greater Bombay Police Force :—

Name of the officer and rank

Shri Parbat Ratanrao Bhosale,
Head Constable No. 4936/B,
Greater Bombay Police Force,
Maharashtra.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 20th November, 1969, at about 2.40 a.m. two men armed with revolvers fired six shots, killing one person and injuring two others near Zakeria Masjid, Bombay. They then tried to escape. Shri Parbat Ratanrao Bhosale saw one of the men running in the direction of his post. Though the man was holding a loaded revolver in his hand and was superior in physique to Shri Bhosale, the latter grappled with him unmindful of the grave risk to his life. The man struggled hard to free himself but Shri Bhosale maintained his grip firmly till three other Policemen came to his assistance.

Shri Parbat Ratanrao Bhosale showed outstanding courage and devotion to duty.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 20th November, 1969.

No. 34-Pres./70.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Uttar Pradesh Police :—

Names of the officers and ranks

Shri Magan Das Maurya,
Deputy Superintendent of Police,
Agra, Uttar Pradesh.

Shri Jagdish Lal Chawla,
Sub-Inspector of Police,
Agra District, Uttar Pradesh.

Shri Karauti Singh,
Constable No. 1079,
Agra District, Uttar Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the evening of 14th June, 1968 the gang of notorious dacoit Janga Phoola raided the village Makhanpur in Mainpuri District and kidnapped six persons. On receipt of this information on the morning of 15th June, 1968, a Police party was deputed to village Kakrili where the dacoits were reported to be hiding. The Police party was divided into two groups, one led by Shri M. D. Maurya and the other by another Deputy Superintendent of Police. When the Police party headed by Shri Maurya reached the hide-out of the dacoits, the sentries of the gang spotted the Police party and started firing on them and tried to escape under the cover of the fire. In disregard of their personal safety Shri Mauray along with Shri Chawla pursued the dacoits into the ravines and killed three of them. They also rescued three of the kidnapped persons.

In the meantime, the second Police party also made contact with the dacoits. The dacoits then tried to escape, but Shri Karauti Singh saw through their plan and chased the dacoits single-handed. He injured one of them and captured the rifle of another. He also rescued the remaining three kidnapped persons.

In this encounter Sarvashri Magan Das Maurya, Jagdish Lal Chawla and Karauti Singh displayed exemplary courage and devotion to duty.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently in the cases of Shri Jagdish Lal Chawla and Shri Karauti Singh, the awards carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 15th June, 1968.

V. J. MOORE, Dy. Secy. to the President

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 12th June 1970

No. F. 1-52/68-FY(PT).—In order to promote the development of deep Sea Fishing with indigenously manufactured vessels, the Government of India have decided to introduce a scheme for subsidising the cost of indigenously manufactured deep sea fishing vessels. The scheme will be applicable to steel vessels of 57 ft. length or above designed for deep sea fishing. It will not be applicable to vessels constructed in the country as a part of a composite arrangement involving construction of a specified member of indigenous fishing vessels in the country as one of the conditions for clearance of import of deep sea fishing vessels constructed in foreign yards.

The quantum of subsidy will be assessed at 27½% of the c.i.f. cost of an equivalent imported vessel. The subsidy admissible in any case will be limited to the difference between the cost of the indigenous vessel and the c.i.f. cost of an equivalent imported vessel.

A Committee will be constituted in the Ministry of Food and Agriculture to determine the fair price of indigenous vessels of various standard specifications as well as the c.i.f. cost of corresponding imported vessels. A subsidy equivalent to 27½% of the c.i.f. cost of the equivalent imported vessel, limited to the difference between the assessed fair price of an indigenously manufactured vessel and the imported c.i.f. cost of a corresponding imported vessel, will be admissible to the ship-building yard. The subsidy so calculated will be admissible only in cases where the price charged by the ship building firm to the purchaser is equivalent to or below the amount arrived at by reducing the admissible quantum of subsidy from the fair price of indigenous manufacture estimated by the Committee. The subsidy fixed for each standard design will be applicable to the closest corresponding designs of indigenously constructed vessels. The subsidies will be valid for such periods as may be prescribed.

The ship building firm will be required to furnish a certificate from the Mercantile Marine Department or such other agency as may be prescribed that the vessel has been constructed in accordance with relevant specifications.

A. K. SANYAL, Under Secy.

(ICAR)

New Delhi,-1, the 12th June 1970

No. 30(2)/70-CDN(I)/ICAR.—Under the provisions of Rule 34(v) of the Rules of the Indian Council of Agricultural Research, the following representatives of the Lok Sabha on the Society have been selected by the President of the Society (Minister of Food and Agriculture) to be members of its Governing Body for a period of three years with effect from the 13th June, 1970, or till such time as they continue to be members of the Society, whichever period expires earlier :—

1. Shri K. Lakappa, Member, Lok Sabha, Someswara Extention, Tumkur (Mysore State).
2. Shri Awadesh Chandra Singh, Member, Lok Sabha, Dhirpur, Farukhabad (Uttar Pradesh).

M. R. KOLHATKAR, Dy. Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD AND PUBLISHED BY THE MANAGER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1970

रजिस्ट्री सं० डी-222 REGISTERED No D-222

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 14] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 4, 1970 (चैत्र 14, 1892)

No. 14] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 4, 1970 (CHAITRA 14, 1892)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

नोटिस

(NOTICE)

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 24 फरवरी 1970 तक प्रकाशित किये गये हैं :

The undermentioned *Gazettes of India Extraordinary* were published up to the 24th February 1970 :

अंक (Issue No.)	संख्या और तिथि (No. and Date)	द्वारा जारी किया गया (Issued by)	विषय (Subject)
1.	सं० 14/10/70-पबलिक (I) दिनांक 24 फरवरी 1970 No. F. 14/10/70-Pub., dated 24th February, 1970	गृह मंत्रालय Ministry of Home Affairs.	श्री गुलजारी लाल नन्दा और श्री दामोदरम संजविया को 18 फरवरी 1970 के मध्याह्न 12 बजे से केबिनट मंत्री नियुक्त करना । Appointment of Shri Gulzari Lal Nanda and Shri Damodaram Sanjivayya to be Cabinet Ministers with effect from the 12-00 Noon of the 18th February, 1970.

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां, प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी । मांग-पत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तिथि से दस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिएं ।

Copies of the *Gazettes Extraordinary* mentioned above will be supplied on Indent to the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these Gazettes.

भाग I—खण्ड 2

(PART I—SECTION 2)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave, etc., of Govt. Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

प्रधान मंत्री सचिवालय

नई दिल्ली-11, दिनांक 13 मार्च, 1970

न० एफ० 60/27/69-पी०एम०ए०:-राष्ट्रपति शिक्षा एवं युवा सेवा मंत्रालय के केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा संवर्ग के ग्रेड II के स्थायी अधिकारी, श्री अमर नाथ पुरी को, जो उप मंत्री के निजी सचिव के बाह्य पद पर प्रतिनियुक्त होकर कार्य कर रहे हैं । 1 अगस्त, 1969 से, और अगला आदेश होने तक, उप मंत्री के निजी सचिव के रूप में (गृह मंत्रालय के केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा संवर्ग के सेलेक्शन ग्रेड) प्रतिनियुक्त करते हैं ।

सर्व प्रकाश खन्ना, प्रधान मंत्री के निजी सचिव

लोक-सभा सचिवालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 16 मार्च, 1970

संख्या 21/3/70/टी०—असम के तेजपुर निर्वाचन-क्षेत्र से निर्वाचित लोक सभा के सदस्य श्री बी० भगवती ने 15 मार्च, 1970 से लोक-सभा के अपने स्थान से त्यागपत्र दे दिया है ।

श्यामलाल शकधर, सचिव

मंत्रीमंडल सचिवालय

सांख्यिकी विभाग

नई दिल्ली-1, दिनांक 13 मार्च 1970

संख्या 2/7/69-संस्थापन II/—तकनीकी—गृह मंत्रालय द्वारा भारतीय सांख्यिकीय सेवा के पदक्रम IV पद पर मनोनीत होने